28 सितंबर 2011

पहला दिन

मां शैलपुत्री

ॐ शैलपुत्री देव्यैः नमः।

सभी मनोकामनाओं को पूर्ण
करने के लिए नवरात्र के पावन पर्व में पूजी जाने
वाली नौ दुर्गाओं में सर्व प्रथम भगवती शैल पुत्री
का नाम आता है। पर्व के पहले दिन बैल पर सवार
भगवती मां के पूजन-अर्चना का विधान है। मां
के दाहिने हाथ में कमल पुष्प सुशोभित है। अपने
पूर्वजन्म में ये दक्ष प्रजापति की कन्या के रूप में
पैदा हुई थीं। उस समय इनका नाम सती रखा गया।
इनका विवाह शंकर जी से हुआ था। शैलपुत्री
देवी समस्त शक्तियों की स्वामिनी हैं।

साधना विधि

सबसे पहले मां शैलपुत्री की मूर्ति अथवा तस्वीर स्थापित करें और उसके नीचें लकड़ी की चौकी पर लाल वस्त्र बिछायें। इसके ऊपर केशर से 'शं' लिखें और उसके ऊपर मनोकामना पूर्ति गुटिका रखें। तत्पश्चात् हाथ में लाल पुष्प लेकर शैलपुत्री देवी का ध्यान करें। ॐ शं शैलपुत्री देव्यै: नमः। मंत्र के साथ ही हाथ के पुष्प मनाकामना गुटिका एवं मां के तस्वीर के ऊपर छोड़ दें। तत्पश्चात् मनोकामना गुटिका का पंचोपचार द्वारा पूजन करें। दीप प्रज्जवलित करके ही पूजन करें। यदि संभव हो तो नौ दिनों तक अखण्ड ज्योति जलाने का विशेष महत्व होत है। इसके बाद भोग प्रसाद अर्पित करें तथा मां शैलपुत्री के मंत्र का जाप करें। संख्या 108 होनी चाहिए। मंत्र - ॐ शं शैलपुत्री देव्यै: नमः। मंत्र संख्या पूर्ण होने के बाद मां के चरणों में अपनी मनोकामना को व्यक्त करके मां से प्रार्थना करें तथा श्रद्धा से आरती कीर्तन करें।

मां शैल पुत्री का भोग बदलेगा आपका भाग्य

इस दिन भगवती जगदम्बा की गोघृत से पूजा होनी चाहिये अर्थात् षोडशोपचार से पूजन करके नैवेद्य के रूप में उन्हें गाय का घृत अर्पण करना चाहिये एवं फिर वह घृत ब्राह्मण को दे देना चाहिये। इसके फलस्वरूप मनुष्य कभी रोगी नहीं हो सकता।

सूर्य ग्रह पीड़ा निवारण

जिस जातक की जन्म कुंडली में सूर्य कमजोर हो या सूर्य की वजह से आपके जीवन में कोई परेशानी आ रही हो तो माँ भगवती शैलपुत्री का मंत्र ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं शैलपुत्रिये नमः। का जाप करना बहुत ही शुभ रहेगा।

भूमि-भवन वाहन की प्राप्ति हेतु उपाय

1. यदि अनावश्यक रूप से कोर्ट-कचहरी के मामलें परेशान कर रहे हो तो हर रोज 9 दिन तक 108 मोगरे के पुष्प मां भगवती शैल पुत्री के श्रीचरणों में ॐ शैलपुत्री देव्यै नमः। मंत्र का जाप करते हुए अर्पित करें। प्रारंभ प्रथम नवरात्र को यह उपाय शुभ मुहुर्त्त में प्रारंभ करें।

कल मां ब्रह्मचारिणी देंगी शिक्षा का वरदान

मां ब्रह्मचारिणी माता का भोग
दिलाएगा आपको शिक्षा
में सफलता